मनसा सेवा - 9

➢➢ 4 प्रकार की सेवा

➳ _ ➳ संकल्पों से सेवा

→ सबसे सरल भी और सबसे मुश्किल भी

→ शक्तिशाली स्थिति की आवश्यकता

➳ _ ➳ वाचा सेवा

➳ _ ➳ कर्मणा सेवा

➳ _ ➳ सम्बन्ध संपर्क से सेवा

➳ _ ➳ वाचा सेवा

➢➢ ब्राहमणों के अभी तक के अधूरे / अपूरण कर्तव्य (मनसा सेवा से)

➳ _ ➳ वृतियां परिवर्तित करना / असहयोगी आत्माओं को सहयोगी बनाना

→ **संकल्प** परिवर्तित करना

→ **स्वभाव** परिवर्तित करना

→ **संस्कार** परिवर्तित करना

➳ _ ➳ दुखी और अशांत आत्माओं को शांत करना

➳ _ ➳ निर्बल आत्माओं में बल भरना

→ मानसिक और

→ शारीरिक

➳ _ ➳ भटकती हुई आत्माओं को ठिकाने देना

→ किसी Soul के लिए Evil शब्द का इस्तेमाल न करें

➳ _ ➳ इस संसार में वैराग की लहर उत्पन्न करना

➳ _ ➳ ब्राहमण परिवार में तपस्या की लहर फैलाना

→ बिना किसी को कुछ कहे

→ बिना किसी प्रोग्राम के

→ सेवाओं के विस्तार में जाने वाली ब्राहमण आतमाएं सार स्वरुप को न भूलें

➳ _ ➳ आत्माओं का इस ब्राहमण परिवार में आहवान करना

→ **बिना किसी स्थूल निमंत्रण के ही आत्माओं को टचिंग हो सेण्टर पर आने के लिए**

➳ _ ➳ आत्माओं में परमात्म प्रेम भरना

→ ब्राह्मण बनने का मतलब यह नहीं की परमात्म प्रेम से भरे हुए हैं

➳ _ ➳ आत्माओं को भगवान से मिलाना

➳ _ ➳ भक्तों को उनके इष्ट देव का साक्षात्कार करवाना

➳ _ ➳ प्रकृति के पांचो तत्वों को पावन बनाना

→ पृथ्वी (सबसे स्थूल तत्व)

→ जल

→ अग्नि

→ वायु

→ आकाश (सबसे सूक्षम तत्व) - बादल, चंद्रमा , सूर्य , सितारे, गृह